d{kk & V

fVIi.kh

10

prj dkvk

प्रिय शिक्षार्थी, पूर्व पाठ मे गणतंत्र दिवस के विषय में अपने पढ़ा। इस पाठ में आप चतुर काक की कहानी पढ़ेंगे। इस कहानी के माध्यम से आप जानेंगे की मुश्किल के समय सूझबूझ किस प्रकार से हमें मुश्किलों से पार ले जाती है। इस कहानी को पढ़ते समय आप संस्कृत में सरल वाक्यों का निर्माण और कहानी के रूप में उन वाक्यों का प्रयोग करना भी सीखेंगे।

mÌs';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- संस्कृत भाषा में कहानी को पढ़ एवं समझ पाने में;
- कठिन परिश्रम और सूझबूझ का जीवन में महत्त्व समझ पाने में; और
- संस्कृत के संयुक्त वाक्यों का प्रयोग कर पाने में।

prj dkvk

10.1 dgkuh

,dfLeu ou ,d dkd vkIhrA ,dnk I fiikI;k vkdy vHkorA I tyk'k;e vUo"Ve ou brLrr vHker] fdr lnj ;kor d=kfi tyk'k;u vi';rA vUr I ,d ?kVe vi';rA rfLeu ?kV LoYi tye vkIhr vr I ty ikr leFk u vHkorA

prj dkSvk

d{kk & V

fVIi.kh

एक वन में एक कौआ रहता था। एक बार वह प्यास से बहुत व्याकुल हो गया। जलाशय की खोज में वह यहाँ–वहाँ घूमने लगा, किंतु दूर तक उसे कहीं भी जलाशय दिखाई नहीं दिया। अंत में उसने एक घड़ा देखा। उस घड़े में पानी बहुत नीचे था, इसलिए वह पानी पीने में असमर्थ था।

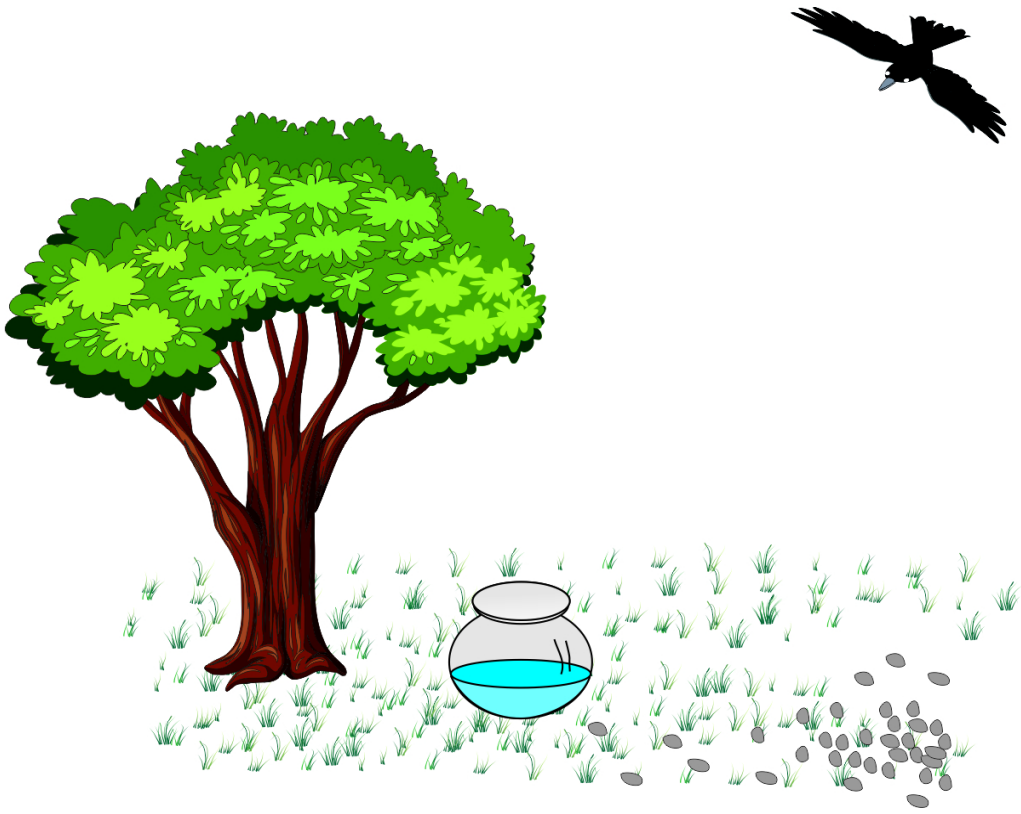

vFk l ,de mik;e vfpUr;rA l% njkr ik"kk.k&[k.Mkfu vkuh; ?kV vf{kirA ,o Øe.k tye mifj lekxPNrA l p dkd% ty ihRok l[ke vyHkrA m|eL; iHkko.k dkd% lQy% vHkorA m|eL; iHkko.k ,o lo thou lQyk% HkofUr A

mDr p& þm|eu fg fl);fUr dk;f.k u eukjFk%ßA

इसके बाद उसने एक उपय सोचा। वह दूर से पत्थर के टूकडे लाकर घड़े में डाल दिया। इस तरह धीरे–धीरे पानी ऊपर आ गया। उस कौवे ने पानी पीया और सुख की अनुभूति की।

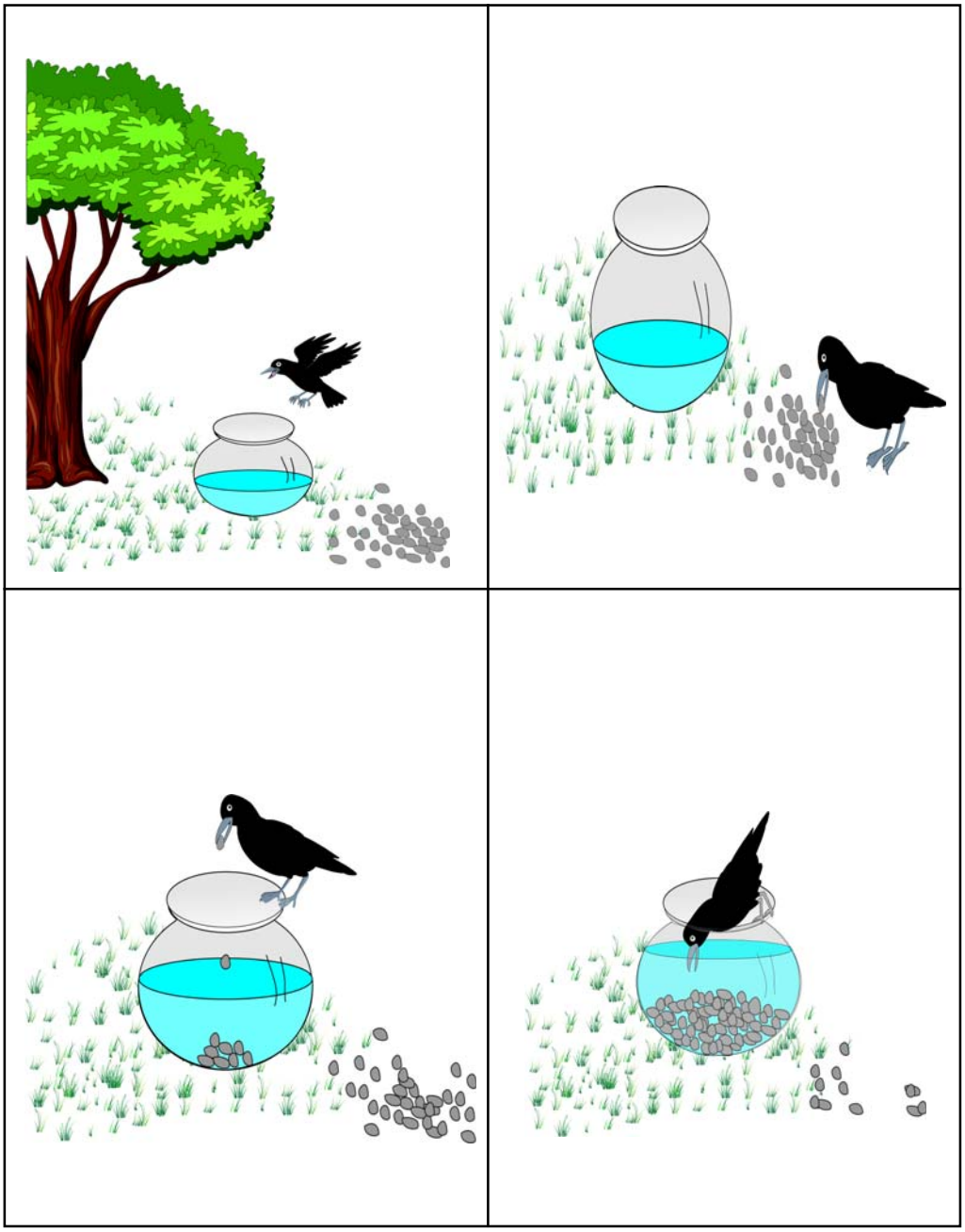

prj dkvk

d{kk & V

मेहनत के प्रयास से कौआ सफल हुआ। मेहनत से ही सभी जीवन में सफल होते है। कहा भी गया है कि – मेहनत करने से कार्य सफल होते हैं, मन मे इच्छा रखने मात्र से नहीं।

fVIi.kh

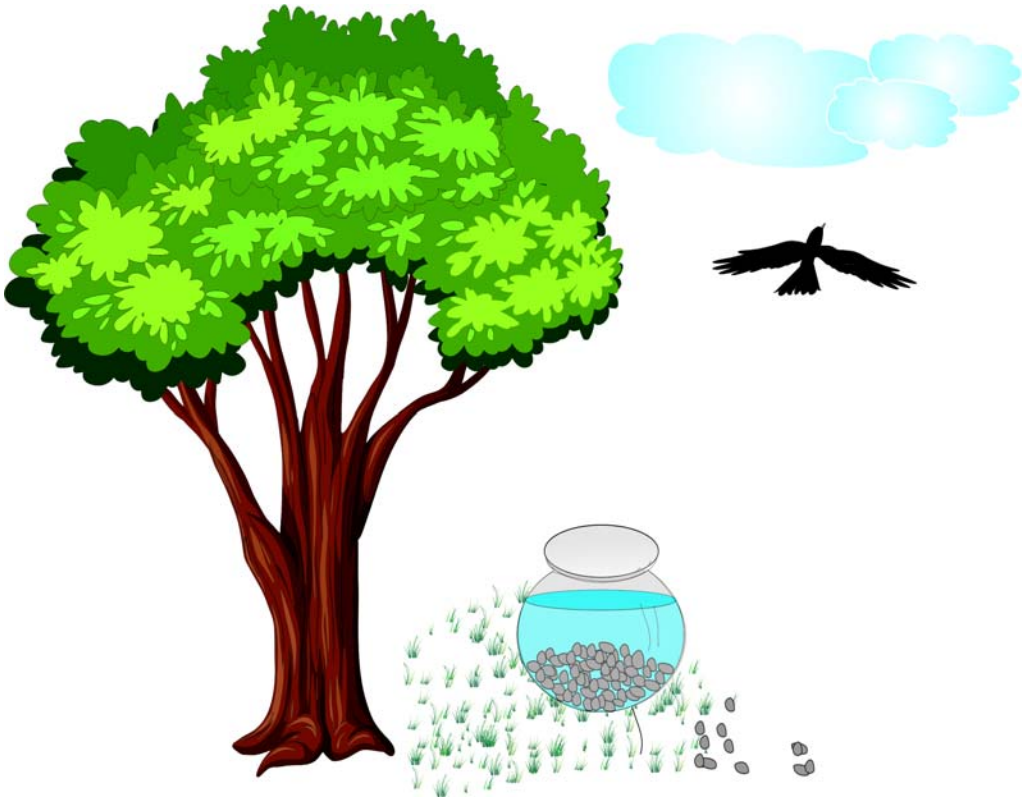

ikBxr iz'u& 10-1

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1 एकस्मिन वने .... आसीत् ।

2 सः .... अभ्रमत् ।

3 अन्ते सः .... अलभत ।

4 तस्मिन घटेः .... आसीत् ।

5 सः जलं .... समर्थः न भवत् ।

6 सः एकम् उपायम् .... ।

7 एवं क्रमेण .... समागच्छत् ।

8 उद्यमस्य प्रभावेण सर्वे .... भवन्ति ।

vkiu D;k lh[kk\

- चतुर कौवे की कहानी संस्कृत में समझ पाये ।
- जीवन में सूझबूझ और मेहनत का महत्त्व ।
- संस्कृत के संयुक्त वाक्यों का प्रयोग ।

ikBxr iz'u

1. नीचे दिये गये शब्दों का उच्चारण कीजिए और इनका अर्थज्ञान कीजिए–

   काकः, एकदा, पिपासया, आकुलः, जलाशयम्, अन्वेष्टुम, इतस्ततः सुदूरम्, यावत, अभ्रमत, कुत्रापि, अलभत्, स्वल्पम्, जलम्, समर्थः, अचिन्तयत्, घटम्, अक्षिपत्, उपरि, समागच्छत्, पीतवा, उद्यमस्य, कार्याणि, मनोरथैः

2. अपने शब्दों में संस्कृत भाषा में यह कथा लिखिये ।

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

   (i) काकः कुत्र अभ्रमत?

   (ii) सः किमर्थं व्याकुलः आसीत्?

   (iii) घटेकियत् जलम् आसीत्?

   (iv) सः कुतः पाषाण खण्डानि आनीतवान्?

   (v) कस्य प्रभावेण काकः सफलः अभवत्?

fVIi.kh

4. नीचे दिये गये चित्रों को देखकर संस्कृत में एक–एक वाक्यों का निर्माण कीजिए–

(i)

(ii)

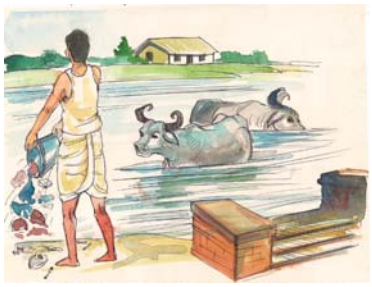

(iii)

(iv)

5. अपने शब्दों में सूझबूझ से दर्शाती एक कहानी लिखिए

....

....

....

....

prj dkvk

d{kk & V

fVIi.kh

mÙkjekyk

10.1

1.

1 एक: काक:

2 जलाशयम् अन्वेष्टुं वने इतस्तत:

3 एकं घटम्

4 स्वल्पं जलम्

5 पातुम्

6 अचिन्तयत्

7 जलम् उपरि

8 जीवनेसफला: